मेरे भारतवासियो...

HSSLIVE.IN

भाषण

जवाहरलाल नेहरु

भूमिका:

दशाब्दों की कोशिशों और लाखों के बलिदानों के फलस्वरूप 1947 अगस्त 14 में हमारा भारत स्वतंत्र हुआ। 1947 अगस्त 14 की मध्यरात्री की वेला में हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने तिरंगा फहराते हुए देश से की गई अपील में नेताओं का स्वप्न है, भविष्य के प्रति जागरूक है.....

मेरे भारतवासियो...

1947 अगस्त 14 की मध्यरात्री की वेला में भारतीय स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री ने लालकिला में हमारे तिरंगा फहराते हुए देश से जो अपील की थी....

नीचे दिए गद्यांश से प्रश्नों का उत्तर ढूँढें:

(I) कई वर्षों पहले..... प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(1) कई वर्षों पहले भारतवासियों ने कौन-सा वचन दिया था?

नियति को मिलने का।

(2) 'अब समय आ गया हैं'- कियका?

वचन को निभाने का।

(3) वचन कैसे निभाएगा?

नियति को मिलने का वचन पूरी तरह नहीं लेकिन बहुत हद तक निभाएगा।

(4) सारी दुनिया सोते वक्त भारत कैसे उठेगा?

भारत जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा।

(5) जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह की विशेषता क्या-क्या हैं?

जीवन औऱ स्वतंत्रता की नई सुबह इतिहास में बहुत ही कम आता हैं, हम पुराने को छोड़कर नए की तरफ़ जाते हैं। यह क्षण एक युग का अंत हैं, और वर्षों तक शोषित एक देश की आत्मा अपनी बात कहती हैं।

(6) 'भारत जीवन और स्वतंत्रती की नई सुबह के साथ उठेगा।' नेहरूजी ऐसा क्यों कहते हैं?

भारत अंग्रेज़ों के गुलाम थे। दशाब्दों की कोशिशों के फलस्वरूप 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। नेहरुजी कहते हैं कि नियति को मिलने का वचन बहुत हद तक निभाने का समय आ गया है। यह स्वतंत्रता वास्तव में भारतवासियों के जीवन की नई सुबह हैं।

(7) 'एक ऐसा क्षण जो इतिहास में बहुत ही कम आता हैं।' कौन-सा क्षण?

दशाब्दों की कोशिशों के फलस्वरूप 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। नेहरूजी कहते हैं कि एक पूरे देश में जीवन और स्वतंत्रता की नई सुबह का अनोखा क्षण इतिहास में बहुत ही कम आता हैं।

DO NOT COPY

HSSLiVE.IN

(8) ऐसे अनोखे क्षण में हम भारतवासी क्या करना चाहिए?

स्वतंत्रता प्राप्ति के अनोखे क्षण में हम भारतवासी समर्पण के साथ अपने देश और देश की जनता की सेवा से सारी मानवता की सेवा करने केलिए प्रतिज्ञा लेना हैं।

(9) स्वतंत्रता की इस पवित्र मौके पर हम भारतवासी खुद कौन-सी प्रतिज्ञा ले रहे हैं?

इस पवित्र मौके पर हम समर्पण के साथ खुद को भारत और उसकी जनता की सेवा, और उससे बढ़कर सारी मानवता की सेवा करने केलिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(10) खंड का संक्षेपण करें।

वर्षों पहले दियी गया वचन को निभाने का समय अब आ गया हैं। आज रात बारह बजे भारत स्वतंत्रता की नई सुबह के साथ उठेगा। शोषित देश की आत्मा, अपनी बात कहनेवाले इस संयोग में हम अपने देश और देश की जनता की सेवा से सारी मानवता की सेवा केलिए प्रतिज्ञा ले रहे हैं।

(11) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

स्वतंत्रता की नई सुबह

(II) इतिहास के प्रारंभ .....चुनौतियों को स्वीकार करें?

(1) इतिहास के प्रारंभ के साथ भारत ने क्या प्रारंभ की?

इतिहास के प्रारंभ के साथ भारत अपनी अंतहीन खोज प्रारंभ की।

(2) भारत ने अपनी अंतहीन खोज कब प्रारंभ की?

इतिहास के प्रारंभ के साथ।

(3) अपने अच्छे समय हो या बुरा, भारत ने क्या किया?

भारत ने कभी भी अपनी अंतहीन खोज से दृष्टि नहीं हटाई और कभी भी अपने को शक्ति देनेवाले आदर्शों को नहीं भूला।

(4) आज की उपलब्दी किसकी कदम हैं?

नए अवसरों को खुलने का।

(5) भारतवासियों में किसकी शक्ति और बुद्धिमत्ता है?

भारतवासियों में अवसरों को समझने और भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करने की शक्ति एवं बुद्धिमत्ता हैं।

(6) खंड़ का संक्षेपण करें।

इतिहास के आरंभ से भारत ने अपनी अनंत खोज प्रारंभ की। अपने अच्छे और बुरे समय में भी इस खोज को नहीं छोडा और अपने को शक्ति देनेवाले आदर्शों को नहीं भूला। दुर्भाग्य तो यह युगांत हमारे लिए नए अवसरों के खुलने का कदम हैं। इससे भी बडी उपलब्धियाँ हमारे आगे हैं और हम अवसरों को समझकर भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करें।

(7) संक्षेपण केलिए शीर्षक।

भविष्य की दृष्टि

DO NOT COPY

HSSLiVE.IN

(III) भविष्य में हमें विश्राम.....सपनों को साकार कर सकें।

(1) भविष्य में हम विश्राम छोडकर क्या करना चाहिए?

भविष्य में विश्राम छोडकर हमारे वचन को बार-बार दोहराएँ और उसकेलिए निरंतर प्रयत्न करें।

(2) भारत की सेवा का अर्थ क्या है?

लाखों-करोडों पीडित लोगों की सेवा करना।

(3) लाखों-करोडों पीडित लोगों की सेवा का तात्पर्य क्या है?

गरीबी और अज्ञानता को मिटाना, बीमारियों और अवसरों की असमानता को मिटाना।

(4) हमारी पीढ़ी के सबसे महान व्यक्ति कौन हैं? उनकी महत्वाकांक्षा क्या हैं?

महात्मा गाँधी। गाँधीजी की महत्वाकाँक्षा यह रही कि हर एक आँख से आँसू मिट जाएँ।

(5) कब तक हमारा काम खत्म नहीं होगा?

जब तक लोगों की आँखों में आँसू हैं और वे पीडित हैं, तब तक हमारा काम खत्म नहीं होगा।

(6) हमें किसके लिए परिश्रम करना है?

अपने सपनों को साकार करने केलिए परिश्रम करना हैं।

(7) खंड का संक्षेपण करें।

भविष्य में हमें अपने वचन को दोहराकर देश की सेवा करें। भारत की सेवा से तात्पर्य हैं, लाखों करोड़ों पीड़ित लोगों की सेवा करना हैं। हमें अपने सपनों को साकार करने केलिए प्रयत्न करें।

(8) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखें।

भारत की भविष्य।

(IV) वे सपने भारत..... सारे बच्चे रह सकें।

(1) हमारे सपने किसके लिए हैं?

हमारे सपने भारत केलिए हैं, साथ ही पूरे विश्व केलिए भी हैं।

(2) हमारे सपने भारत के साथ पूरे विश्व केलिए भी है, क्यों?

या

हमारे सपने भारत के साथ पूरे विश्व केलिए भी हैं। नेहरु जी के इस कथन का तात्पर्य क्या हैं?

आज किसी भी देश को अलग सोचना संभव नहीं, क्योंकि सारे राष्ट्र और जनता एक दूसरे से बड़ी समीपता से जुड़े हुए हैं।

(3) किसको अविभाज्य कहा गया है?

शांति, स्वतंत्रता, समृद्धि और विनाश को अविभाज्य कहा गया हैं।

HSSLiVE.IN

(4) खंड का संक्षेपण करें।

आज सभी राष्ट्र एक दूसरे से बड़ी समीपता से जुडे रहने के कारण हमारे सपने पूरे विश्व केलिए भी हैं। शांति, स्वतंत्रता, समृद्धि और विनाश अविभाज्य हैं। स्वतंत्र भारत महान है, जहाँ उसके सारे बच्चे रह सकें।

(5) संक्षेपण केलिए शीर्षक लिखे।

सपने...पूरे विश्व केलिए।

अनुवर्ती कार्यः

➢ नेहरूजी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्रा अपने मित्र से इसके बारे में बातचीत करती है। वह बातचीत तैयार करें।

सुमा : अरे दीपा, क्या तुमने नेहरुजी का भाषण पढ़ा है?
दीपा : हाँ, मैं ने दो-तीन बार पढ़ा हैं।
सुमा : दो-तीन बार! कैसे लगा?
दीपा : बिलकुल जोशीला रहा।
सुमा : जी हाँ, हमारे पहला प्रधानमंत्री की दीर्घदृष्टि कितना भावुक हैं?
दीपा : भाषण का एक छोटा अंश हमारे पाठ-पुस्तक में दिया हैं।
सुमा : हाँ, बिलकुल छोटा हैं।
दीपा : इसका पूर्ण रूप कहाँ से मिलेगा?
सुमा : पुस्तकालय में होगा।
दीपा : ज़रूर...
सुमा : कभी यू-ड्यूब में नेहरूजी का उसी भाषण होगा।
दीपा : हाँ, डिजिटल पुस्तकालय की ओर चलो।

परीक्षा केंद्रित कुछ और प्रश्न। इनके उत्तर स्वयं लिखने का प्रयास करें:-

(1) नेहरूजी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्रा की उस दिन की ड़ायरी तैयार करें।

(2) नेहरूजी का भाषण पढ़नेवाली एक छात्रा अपने मित्र को पत्र लिखते हैं। वह पत्र तैयार करें।

(3) 1947 अगस्त 14 की मध्यरात्री की वेला में हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु ने तिरंगा फहराते हुए देश से अपील की हैं। **उस सुअवसर में नेहुरु ने अपनी ड़ायरी के पन्नों में क्या लिखा होगा। कल्पना करके लिखे।**

DO NOT COPY